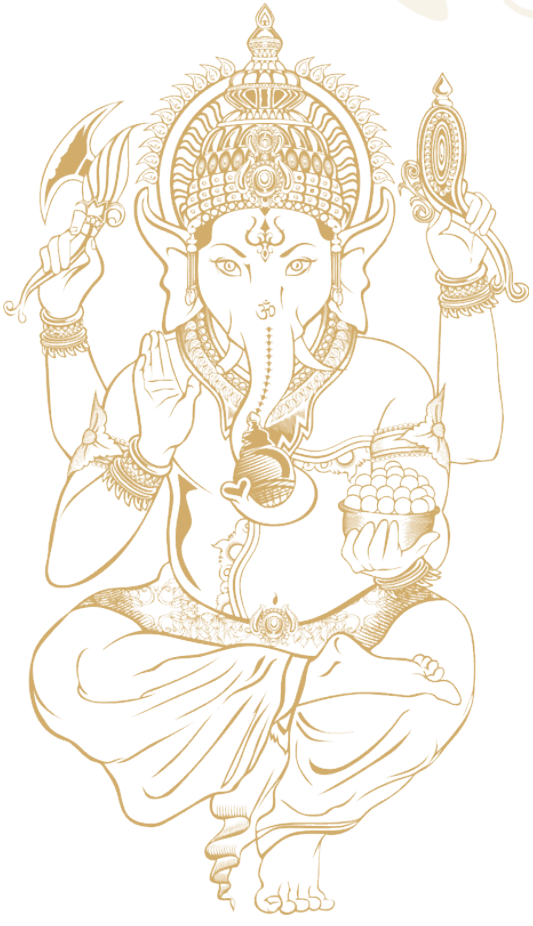

Sh. Kritik Sachdeva

05 Jun 1998

03:52 AM

Rohtak

Model: web-freekundliweb

Order No: 121281302

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**4-05/06/1998**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**03:52:00 घंटे**
इष्ट	56:07:19 घटी
स्थान	**Rohtak**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:54:00 उत्तर
रेखांश	76:38:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:28:32 घंटे
वेलान्तर	00:01:46 घंटे
साम्पातिक काल	20:21:09 घंटे
सूर्योदय	05:25:04 घंटे
सूर्यास्त	19:18:35 घंटे
दिनमान	13:53:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	20:15:21 वृष
लग्न के अंश	23:39:48 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	व्यतिपात
करण	वणिज
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ठ-ठाकुर
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	23:39:48	433:29:34	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	शनि	---
सूर्य			वृष	20:15:21	00:57:26	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	केतु	शत्रु राशि
चंद्र			कन्या	21:28:33	11:49:18	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
मंगल		अ	वृष	14:29:44	00:42:07	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	सम राशि
बुध		अ	वृष	13:41:41	02:08:26	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	राहु	मित्र राशि
गुरु			मीन	01:22:15	00:07:33	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	स्वराशि
शुक्र			मेष	13:06:19	01:10:07	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	सम राशि
शनि			मेष	05:43:59	00:06:09	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	नीच राशि
राहु	व		सिंह	11:33:04	00:04:29	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	11:33:04	00:04:29	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	18:46:30	00:00:52	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप	व		मक	08:04:23	00:00:57	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	12:39:06	00:01:37	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	---
दशम भाव			मक	09:09:25	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:58

लग्न-चलित

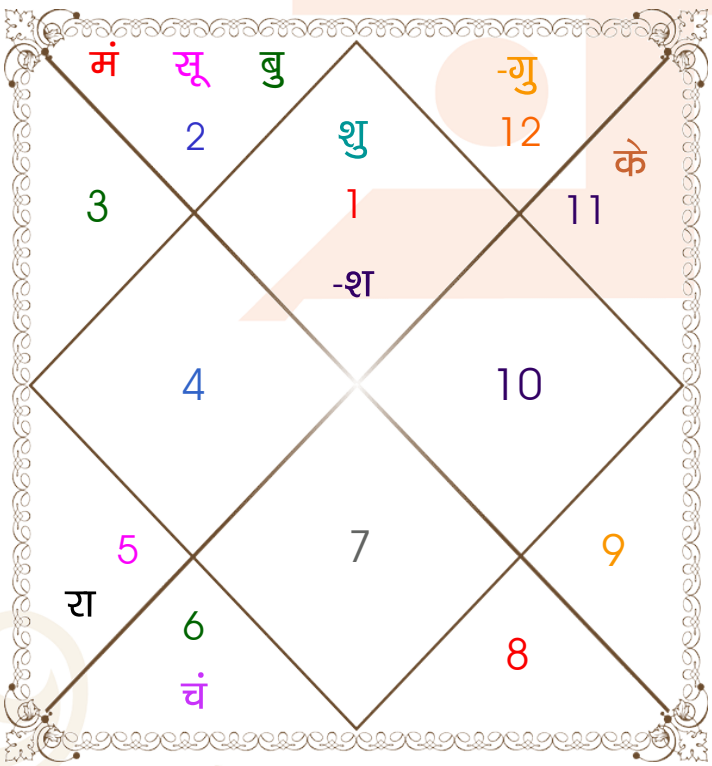

चन्द्र कुंडली

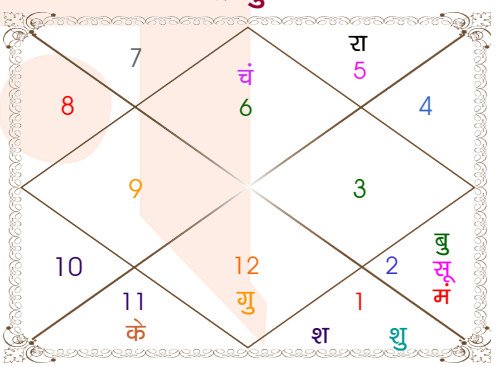

नवमांश कुंडली

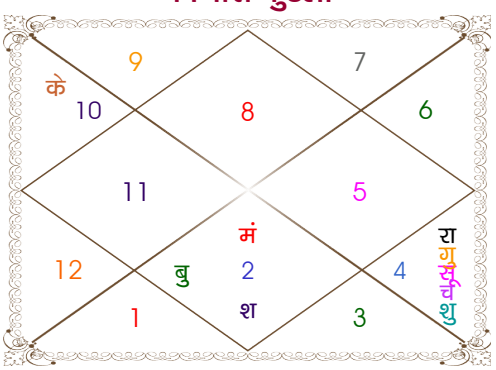

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 1 वर्ष 4 मास 21 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
05/06/1998		27/10/1999		26/10/2006		26/10/2024		26/10/2040	
27/10/1999		26/10/2006		26/10/2024		26/10/2040		27/10/2059	
	00/00/0000	मंगल	24/03/2000	राहु	08/07/2009	गुरु	14/12/2026	शनि	30/10/2043
	00/00/0000	राहु	11/04/2001	गुरु	02/12/2011	शनि	26/06/2029	बुध	09/07/2046
	00/00/0000	गुरु	18/03/2002	शनि	08/10/2014	बुध	02/10/2031	केतु	18/08/2047
	00/00/0000	शनि	27/04/2003	बुध	26/04/2017	केतु	07/09/2032	शुक्र	17/10/2050
	00/00/0000	बुध	23/04/2004	केतु	15/05/2018	शुक्र	09/05/2035	सूर्य	29/09/2051
	00/00/0000	केतु	19/09/2004	शुक्र	15/05/2021	सूर्य	25/02/2036	चंद्र	29/04/2053
	05/06/1998	शुक्र	19/11/2005	सूर्य	08/04/2022	चंद्र	26/06/2037	मंगल	08/06/2054
शुक्र	27/04/1999	सूर्य	27/03/2006	चंद्र	08/10/2023	मंगल	02/06/2038	राहु	14/04/2057
सूर्य	27/10/1999	चंद्र	26/10/2006	मंगल	26/10/2024	राहु	26/10/2040	गुरु	27/10/2059

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
27/10/2059		26/10/2076		27/10/2083		28/10/2103		27/10/2109	
26/10/2076		27/10/2083		28/10/2103		27/10/2109		00/00/0000	
बुध	24/03/2062	केतु	24/03/2077	शुक्र	25/02/2087	सूर्य	14/02/2104	चंद्र	27/08/2110
केतु	21/03/2063	शुक्र	24/05/2078	सूर्य	25/02/2088	चंद्र	15/08/2104	मंगल	28/03/2111
शुक्र	19/01/2066	सूर्य	29/09/2078	चंद्र	26/10/2089	मंगल	21/12/2104	राहु	26/09/2112
सूर्य	26/11/2066	चंद्र	30/04/2079	मंगल	26/12/2090	राहु	14/11/2105	गुरु	26/01/2114
चंद्र	26/04/2068	मंगल	26/09/2079	राहु	26/12/2093	गुरु	02/09/2106	शनि	28/08/2115
मंगल	23/04/2069	राहु	14/10/2080	गुरु	26/08/2096	शनि	15/08/2107	बुध	26/01/2117
राहु	11/11/2071	गुरु	19/09/2081	शनि	27/10/2099	बुध	21/06/2108	केतु	27/08/2117
गुरु	16/02/2074	शनि	29/10/2082	बुध	27/08/2102	केतु	27/10/2108	शुक्र	06/06/2118
शनि	26/10/2076	बुध	27/10/2083	केतु	28/10/2103	शुक्र	27/10/2109		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 1 वर्ष 4 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिष गणना के अनुसार आपका जन्म उस समय हुआ जबकि मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। आपका जन्म भरणी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक राशि के नवमांश तथा धनु राशि के द्रेष्काण में हुआ था। गणना के संकेतों से आपके जीवन का वास्तविक चित्र स्पष्ट हो रहा है कि यदि आप अपने जीवन के कार्यकलापों का निष्पादन अपनी योजना के पक्ष में पूर्ण आश्वस्त होकर समयानुकूल कर सके तो आप निश्चित रूप से अपने उद्देश्य को सफल कर सकेंगे।

सामान्यतः स्पष्ट रूप से यह अभिप्राय प्रकट हो रहा है कि आप दीर्घजीवी होकर सुख पूर्वक स्वस्थ जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आप निरोग एवं पश्चाताप रहित जीवन बिताएंगे। बृश्चिक नवमांश के प्रभाव आपके लिए सुरक्षा कवच के समान है। यह संभव है कि आप अपने जीवन की न्यूनता को त्याग देंगे। यदि ऐसा न हो सका तो आप दैन्यता और शारीरिक रोग के शिकार हो जाएंगे। यह आवश्यक नही है कि आपको संकट के आने की कोई पूर्व सूचना विदित हो सके। आप में अपार शक्ति साहस और सामर्थ्य से युक्त प्राणी हैं। आप अपने जीवन में लाभ प्राप्त करने तथा अपनी अभिलाषा की पूर्ति हेतु सुयोग्य एवं सक्षम प्राणी होंगे।

आप अपने रास्ते में आने वाली बाधाएं और बुराईयों को बाहर हटाने में समर्थ हों। आप स्वयं अपनी बुद्धि से अपनी महत्वकांक्षा की पूर्ति के लिए बिना किसी सहयोग के पूरी तन्मयता के साथ समर्पित भाव से एवं विश्वास पूर्वक संपादन कर सकेंगे। भगवान आपको अवश्य ही निर्भयता प्रदान करेंगे। आप अपने सभी कार्यों को संपादन हेतु लंबी दूरी तय करने में भी किसी की सहायता अथवा साथ लेने की परवाह नहीं करेंगे।

वास्तव में आपके जीवन के 25 वें वर्ष से आपका स्वर्णिम काल प्रारंभ होगा। आप बहुत बड़े धन शक्ति और संपन्नता से युक्त हों जाएंगे। आप बहुत उन्नति प्राप्त करके धन, भूमि, भवन, वाहन एवं सेवकों से युक्त हो जाएंगे। आपके आदेश को आपके सेवक अनुमोदन एवं अनुपालन करेंगे। आपके सुख पूर्वक जीवन व्यतीत करने में आपके अधीनस्थ सेवा करने वाले सेवक तथा अनुचर आपके आदेशानुसार आचरण करेंगे।

आप स्वभावतः बहुत बड़े कामुक प्राणी है। यदि आप क्षणिक आनंद के लिए संयोगात्म प्रवृत्ति से किसी भी विपरीति योनि के साथ क्षणिक सुख भोग हेतु जोखिम उठाएंगे तो वह किसी भयंकर रोग का सूचक होगा। उत्तम तो यह होगा कि आप प्रतिबंधित क्षेत्र अर्थात् अपने घर में किसी पसंदीदा या अधिकृत विपरीत योनि के साथ ही शारीरिक सुख-भोग का आनंद प्राप्त करें।

यदि आप अपनी उच्चाकांक्षा को प्राप्त करना चाहते है, तो स्वप्निल विचारों का त्याग करें एवं कठिन परिश्रम करने के प्रति सतर्क रहे तो वास्तव में आप अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु निश्चित रूप से समर्थ हों जाएंगे।

आपके समक्ष जो कुछ भी व्यवधान आ जाए तो आप में यह सामर्थ्य है कि आप अपनी जान्मजात नेतृत्व की क्षमता द्वारा अपने साहस और महत्वाकांक्षित भावना से स्पष्ट कर लेंगे।

यदा-कदा आप क्रोधित होकर अधिक जिद्द पकड़ लेते हैं तथा अपने मित्रों से असंतुष्ट होकर उनके साथ क्षमतापूर्वक व्यवहार नहीं कर पाते हैं।

आप अपने मित्रों की लंबी सूची के अनुरुप उनसे मिलने-जुलने के कार्यक्रम त्याग करने योग्य है। फिर भी आपके कुछ ऐसे मित्र हैं जो पूरे मन से आपको उन्नति के मार्ग में सहयोग प्रदान करते हैं। आप को बार-बार मित्रता के लिए होने वाली यात्राओं का कुछ समय के लिए प्रतिबंधित करना चाहिए। अर्थात् यात्रा बंद कर दें। यात्रा क्रम में आप देश के विस्तृत और विभिन्न स्थान के व्यक्तियों के साथ मित्रता संबंध स्थापित करेंगे।

आप भली प्रकार अपना पारिवारिक जीवन व्यतीत करेंगे। आपकी साहसिक प्रवृत्ति एवं अतिरिक्त क्रिया-कलाप से कई अन्य द्वेष भी रखेंगे। आप अपनी माता के प्रति पूर्ण आस्थावान रहेंगे तथा आपका दाम्पत्य जीवन अच्छी प्रकार संचालित रहेगा। आप स्थिर चित्त से अपने परिवार के हित में समय लगाएंगे। आपके पारिवारिक सदस्य आपके उत्तेजनात्मक जीवन से दुखी रहेंगे।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए लाभप्रद एवं प्रमाणित अंक 9 एवं 1 अंक है।

आप अपने जीवन के लिए रंग लाल, पीला और स्वर्णिम रंग को पसंद करेंगे। आपको हर दशा में काले रंग का त्याग करना चाहिए।